क्र० - 142
परि० सं० - 5144
सावर तन्त्र मन्त्र संग्रह
पत्र - 31 - पूर्ण

पू०

(२३८)

शाबर तन्त्रे मंत्र संग्रह पत्र ३१ पूर्ण

पी. सं. 5144

ब०-142

धसलगतंतत्र

१ श्रीगणेशायनमः वावाश्रास्मंत्रसंल्लाम्मविल्लसुत्र्यहरूकापूज्योमिश्रावनकारः श्राम्प्र्यि
कष्टाह्मवरांहरचाहियोऊश्रापिंप्रुणा वाषितीनिलोकवारिवेदपांचपांडवकुमारष्टानसमुद्र
श्राष्टवसुनवग्रहदशरायनरग्यारहरुद्रबारहरासितेरहतमोलचोदहभुवनपंद्रहतिथिचा
रिवानिचारिकानिपंचभूतश्राम्मचोरासीलाखजीवयोनिश्रष्टकुलीनागतेंतीसकोटिदेवता
श्राकासपातालसोजेमंडलरातिदिनपहरघरीउपलविपलयोगमुहूर्तसाषीधरतहोईश्रोश्रम
काकेपिंडदेषमाहोइस्वदानवभूतप्रेतराषीमसाविसजाउविमानाकिताकरापिताएदेवाधी
उठिमूठिरषानभूषारापमिलनिवायुनाफ्हारीडठेरीगदिनीनईफषोलायपेषोकरएामूथु
वायुसूलनश्युक्रहांतेवायुहयाइग्यारहफररापितमूत्रकृघश्रठारहप्रमेहवायगोला छि

छिश्रानिहरूषाश्रहेगासेमाश्रधाशीशीलूटीडलूतावुवारीसिरिगीकमलवइप्रहाप्रश्रा
भुसपाग्राश्रलगडनऊवाउचोटपेरदिताक्षितालापालगापापारवरपिलिजलथा सद्यौपाट्या
टवाहातनिशारपेशारेसाकसाफारफोनुकमभारेहाहाडग्रदवारतामसाठीश्रहुंश्रगजाही
हसिदेहाईसलेमानपगंबरफीतंनविलाईहहिजाहिनाजडसवालाषपेगंमवरफीवज्रथा
पनवनाथचौरासीरानसतरफ्रेशेषशरफदीश्रहिश्रापीरःमानेरीफीशकातिवाश्वा
मरीभजिनारहेभस्मांमरेजायजाहिसहिपिंडकुरालदेवाधिहाफेफुस्वाहा १ श्रासफू
कमंत्रः उँभरजेषांगडाश्रवेतालजानीमोरकाननेहीशाडारेनईधिलाविधिठारश्रा
सश्रासविधिठारनेगोरषिमोरगोरषिकासठोकाबाजगोरषिवज्रकारिथिचो १ श्रथ

2 प्रसराचेका मंत्र वाघोमृतजलावूउपजै घाडागिरिपर्वत चठानि सगडु हेलीव्याधि मीतुपत्र
रिरिमिलाहिहंकारे हनुमंत पत्तारै भीम जाहिजारि समध्ये रोजा चापेसीम २ अथव्या
ष्पादिप्रयोग: वाधवरावेका ॐ असम्य माता शंकरपिता संकर कीलर चालिउ दिशा जह
जह सी मसंगरजायतहा जहा मेरो किंकर जाप जहा जहा मेरा नाद करावु सुनि आवे
हानरि सिंह धीरमाजा वा घेस्वरी को दूध हराम करै कहौ को नकोन की लोवा घघुधो जंगली
पार्दिस्नपा० आरसाधूहं के घाली नें दुवारछे नहासूअधिश्रा गाधि आ अपाठि आरी गाधि आ प्रठिआरहरि २
आरली आ सौका लीठी पठिआरधिना वली धारिए अरे कौ नकी लोन रनारसिंह वीर कीलो
फुरू कवन कवन कीलो मायका जापा मैसिका जापा मे डीका जापा छे डीका जापा घोडीका आ

पाडरपावा यो पावा को आय घालै तो महाशिव की जटा कोधा वघाले गौरी पार्वती के चीर कै
हा के हनुमंत वरावे भी ममरे वाघ जो चापैसीम ३ अन्यच्च श्री फलगीरी पर्वत पर वारि जह
वारे सकै जे सिरजा का ने गोरा तोरा नीजा की वना ई जारी ता मे वाघो वाघ चलाई जाय वन छाडि
दोसरे वन देषी कुरी छा हाय तो महादेव गौरा पार्वती की हनुमंत पती नौना च म्मारी की आ
सोवाचा सावाचा चूकै तो छाठे सूषै ७ हुश्री शक्ति हमारी भक्ति फुरो मंत्र ईश्वरो वाच ६ आ
मच वैठी वैठी कहा चलो परदेश चलो आषी गाधो ने रोका न वाघो मुख वाघो मुख के तस जि
व्हा वधो ठाउ वाधो पारि पाव वाघो ते री पूछ वाघो न वाघो तो मेरी आन ईश्वर रुद्र की आ
न पज्रउठ वाघी उठु हाई महादेव पार्वती की कीफांकर उवे स पढि चारे तरफ जो रेवी य वेठे ५

३ अन्यच डांडाल बालकमुहविकराल वीरराधं दे अहार रामदेव मेल चाटजाऊ वाघ रोज

सात आठ ६ अन्यच महादेव के फूकाल्हू कान मैं रनिकटआ वो तो सहादेव की आन द

नितालत्रयं ७ अन्यच वाघवाघतु मवडवानाठा ठीलकुगरीदे हमचा ना गौरीशंकर पो छूत

मवाच ह महि धाडि नाऊ को शपांच ८ इतितालत्रयं अथविग्गावचरायैकोमंत्र विगलिती

ऊलाकपदेलानइहा अहेनाथ के आन मेरो पहरे वैठे भी म मारु विगड़ो खायै तीस ९ अन्यच

मिश्रितमंत्र वाघवगलसर्प चोर चारि ज्याधो एके ठेर भरती माता आ काशपिता रक्षस्य ३

श्री परमेस्वरी कालिका या चामतादे स्मै दुहाई इतिमालत्रयं शब्दावधिरक्षाप्रसंगात्सी

पावनिवारणामंत्र: समुद्र समुद्र मे दीप हाप मे रूप रूप मे कुंडकुंड मे जहां ते चले हीरहापरे

चलावत च आहनुमंत्र वरावत चला भीम गोराचारां भोला ईश्वरमाजि मठमे जाप गोरा वै

ठि दुवारे न हायू ठपके न दूंदपरे न वोला राजा इंद्र की दुहाई मे मकिगरु की शक्ति करो मंत्र ई

वाच ११ सर्पवराबैका तेलत्रयं सर्पाय सर्पभद्रं ते दुरं गछ महाविष जनमेजयस्य यज्ञां

आस्तीक वचन स्मर आस्तीकस्य वचनं स्मृत्वा यः सर्पो न गछति शतधा मूर्धि विवर्तते शिंश

वृक्षफलं यथा १२ सर्पनसमये त्रयं ताल त्रयी) अथ शकर मूशका नाई के पांच गाठी

हरदी अक्षत पछि कै वरावे दुष्ट मूवर औ मूसा धर खेत से जाय ३ हांसे जे उदुर आवथि उहा

से हनुमंत आवथि उदुर हनुमंत लै आवे बाधि खेत न साइ मुया जाय षेत छाड़ि वाहर भूमि

जाय दुहाई हनुमंत धै खेत मह जो मुयर मूसा जाई १३ अन्यच वितफरी गरम वूहा

गाधीपेपारीरावनक्षरखरी पीतपीताम्बरमूरगाथीलेजाहनुमंतमुहुवाधीहनुमंतलंकाकेरावन

४ रिकोनेपेठहुयहिकोनेजाहु १४ केवलमूरगावरावैकमंत्र जवहीपठेजवहीजाय मूसकेऊपरमूस

केपेधुम्रःजापकारोग्रानकैखेजगोरापार्वतीकेदुहाईमहादेवकेदुहाई १५ ग्रन्यच लङ्ग्रानी

चरउतरमहना मोरेहकोपेमूसमसहना उतपतमोरवन थाउग्रान वनजाहिसरिसवनोवार

पछिकैध्याडितेय १६ शस्त्रकावेकामंत्र वाधोकांउनवकफाग्रवनचोसठिसेयोगिनीपरव

सानिग्रावेलोहनपहनेपावरक्षाकरैश्रीगोरखरावगुरुकीभक्तिमेरीशक्तिहनुमंतवीररक्षाकै

१७ हाथमेसुईलेकेरगातवेरफूकेतवधैजहाजानेतहजाय गलाछेदेका धारधारनिराधा ६

रधारवाधोलक्षधार नवहेधारनवहेघावक्षरक्षाकोश्रीगोरखराव १८ ग्रन्यच पढ़वाधे

छेदेका कालेतिलवेलतिलगुजरीकान्हकेपास गुजरीवेठीचीरजोसुईनवेधेमासधापधाव

पीरनग्रावेकालीकहेमनिग्रारी चूकीलाग्रवनीवाधौसुईकीग्रानवाडकीधारग्रावेलोहन

फूटेघाव रक्षाकौश्रीगोरखराय १९ उर्द पछिकैवकरफेहमोउर्दमेघावनलागे ग्रासाधा

रसर्वधारबंधनमंत्र जाहियालोहतेगीसिखकापा उमाशंकरजानिहिपापा ग्रावतमोचनमे

मेवाधोधारधार मूठिचनुईतीतोरिठगमोहितखेडफाटिलिचांडिहीनखवरमोहिधारपेठठेजोगि

ईश्वरमहादेवकेदुहाईमेरेपंथनग्रावधारविधारवाधोधारलोहठठैधारफूटेमुनेटठेमेगोरि

क्तिगुरुकीशक्तिमोरीसिद्धिगुरुकेपावशरणा २० ग्रन्यच मातापितागुरुवाधोधारवाधोग्र

स्त्रशास्त्रजरमनेवांधोहनुमंतसुईनोलावसुईनपावैघावरक्षाकोश्रीगोरखरावग्रापनिद्धईवधा

नरसिंहसिंहकै दुहाई हमारी पंथ न आवै २१ अग्नि स्तंभन अज्ञान बंधौ विज्ञान बांधौ बांधौ
५ घोराघाट आठ कोटि वैशंदर बांधौ अलख मेरा भाई आन हि देखे मूम कै मोहि देखे मूछ जाय हनु
मंत बाधौ पानी कुजाप भवने कै भैरव तेत समद्र माती हाथी बांधौ हावे शंदर बांधौ नारायण
साषी मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मंत्र इश्वरो वाच २२ अन्यच अग्नि बांधौ दाहन बांधौ कुं
भाहाहा बांधौ बीच कै बाव चारि अखूट वैशंदर बांधौ आसन तस मेरा भाई और हि देखे जो रह
म हि देखे सीतल होय जाय अग्नि गली उल्कादिक बन्हि बांधौ श्री लाहाथ जलेन जिह्वापर
जबै हनुमंत वीर की आज्ञा फूरै देषो सापुरी हनुमंत मेरी शक्ति गुरु शक्ति मेरी भक्ति फुरो मं ५
त्र इश्वरो वाच २३ तेलस्तंभः तेल थांभौ तेल आई थांभौ अग्नि कुंड वैशंदर थांभौ पांच पूत कुंता

का पांचौ बीच लेके दार अग्नि चरैं सीतेल भसे अग्नि आप रा जुसार गदिव केस एक हमा केन रपैठ
वर उ जैरन सोजीते २४ अन्यच वनवाधौ वनमे दिनि बांधौ बांधौ कैठा थांभौ तेल आई थां
भौ वैसंदर धाय वनमे शीतल ताते जाये जे पार ब्रह्मा विष्णु महेश्वर साषी देवी कामाक्षा की
दुहाई पानी पंथ है जाई २५ प्रसंगात अग्नि ठलार राममंत्र अग्नि व भवंत कोभ येसमन मु
नि पापिंड दुषपावै नरसिंहकै जटा दुहाई जउ दुषु पावै २६ इति श्री साबर मंत्रे मंत्रसंग्रहे
भानुमत्यादि चरित्रे प्रेतादि अग्नि उपसमन प्रजंतः प्रथम प्रकाशः ॥ ॥१॥ ॥अथ
ज्वरादि प्रकार माह जत्रादौ डाकिनी प्रयोगः टोना झारै का मंत्र सोमशनी चर मोम अग्यारी म
हा बली देखि आधि पारी चारि षंटा वज्र केसा टोन हि बांधौ सोम दुआर उतार बांधौ फोई दान बताई

दक्षिणावांधौ क्षेत्रपाल चारिपिघा वांधिफै ध्वजेमे स्वमवरंभ मादिघिलमवग णागंधर्वी
६ चलुध्वतीशक्कोटिदान्यचलु उत्तरा पंथयोगी चलु पाताले राजाया अफिचलु रामचंद्र्के पाप
क्रूपुंजनीकेवीरलागे ईश्वरमहादेवकैदुहाई गोरापार्वतीकै दुहाई जोदोनारहे स्वहि
पिंड मंत्रपढिकै फूकै कैल फरावलदे नान्रा हे १ अन्यच टोनाहिआनैकै आकर्षन मंत्रः
लोनासलोनायो गिनिचाधौटोना आवहशपी मिलिपाप कवन देश कवन आवैधि
रिअदिआफूल वाईजे उआवैवासतेउफूलानी आयेमे रेपास कावहरैवीकी शक्तिमे
रीभक्तिफूरोमंत्रईश्वरोवाच २ ज्वरझारैका गठअजमेरिकाअजेपाल राजाअ
जेपालकीरानी मलयागिरि सातपुत्र सात पुत्री पत्तपुत्राः एपारवाराः खारखाराः ६

एकजरा तिजरा चौथा ज्वरा रात्रिज्वर दिवसज्वर खालीखलिया उन्मथवावाग्रज्वर
जूडी हउ फुटनी अंधा शीशीभाजुआजु पापी राजाअजेपालका वक्र आवैकाटिक्रूरि सम
द्र खारा वहावे राजा अजेपालके दुहाई जो पापी रहे ३ त्रिमंजरा शीर्षमारभ्य चरणापर्यं
तपर्यन्तमामि मुखं हव्यं पश्यन्सूर्याभिमुखं तिष्ठन् भावेन प्रहरणं कूर्पात मंत्रोपठनीयो
जावत्ज्वरोगच्छति ४ अन्यच एकजरकइजरा तिजरा लोहागहंतिदेशावसाति ७
जैनपुरपट्टन राजा राजा अजेपालकै दुहाई जो जाडू न हो ज्वराः ६ अन्यच उं नमो अजे
पालकै दुहाई जो ज्वर रहे तो महादेवकै दुहाई फुरोमंत्र ईश्वरोवाच ५ पाठकैसातवेरकौ
अन्यच समुद्रस्योत्तरे कूले अजकेनाम राक्षसः तस्य स्मरण मात्रेण ज्वरो यांति दिशो दशौ

भूजेपालीतिमर्केठेयाधैकारनाशनमइति रसामलोति ?

७ १०८ रसको मंत्र पानी पढि के प्यावत ७ ॐ अगस्त्याय नमः खनित्रे प्रजापपसं वहमीक्षमानः
कं मौ वर्णोच्छ्वह रुग्र ऊ पोष सत्या देष्वाशिषौ जगाम आतापी भक्षितो येन वातापी च महा
सुरः समुद्रः शोषितो येन स मे अगस्त्यः प्रसीदतु अगस्त्यः ॐ भस्म राक्षस मिश्र वडवानलः आ
हार पाति नाम थस्मरे घरष्टको दर ७ आषाढ फूली माडा को मेरे सपोति स्तुक नाच व्यवसंश
त्रमाविनो एतेषां स्मरण मात्रेण नेत्ररोगं प्रणस्यति ८ पढि के पानी का धीटा मोरे बार ७ उठी
आंखि का मेरे का वने कि आई आनी जहा जाई लंक मंत्र आवी पीडा फषाबरी गहि हाथ ते आ
जाय भस्मांत जहं को शक्ति मेरी भक्ति फुरो मंत्र ईश्वरो वाच ९ रतौंधी का मेरे का मार माटिनि निश ७
दिवली कसल जोवे जाव स मुंद्र रपार भाषिनि कहा मोवि आवक लवि आवे कशकी म लोवि आवै

कावि आवे उपसमा धी का मुडा अंगुया कहा अंडाय जैसो हि लनारी मोहि लतारा राजा अजे पाल
उतारहेरा जा अजे पाल का कहार पानी भारहे उनदेषे पाया बोला उगोडिया मे ला उजाले के मैं अंधे
धी ईश्वर महादेव की दुहाई जो यहि धरी उजारि न जाय १० अन्यच कालीदेवी कि लाकिला ई अी
ला देवी गास अंजनी हनुमान या से हांक मारे ११ प्रथा धाशीशी सर्व शिरव्यथा का मेरे का मंत्र
पढि के मा जासे नव फूके वेरजी ने निसं नहि रोड वदष्वनमेघ जगा रहि निस नहि कहि लघरस
फनि मेरी फुनि उमहनवज्जै निस नहि कहल विनपरवा चमय १२ दंत का मेरे का अग्नि बाधौ
अग्नि स्वबाधौ विकराल बाधौ सालो सार बाधौ वज्र निहाप वज्र धमारि धनदंत पिराय तो महा
देव की दुहाई मंत्र पढि के दरप फूके बार सात वा २१ ।१३। हकू परी होय तने का मंत्र सुमेरु पर्वत

८ पसोनाचंमोरीसोनेमैरापीसोनेकैसुरापीउक्रकुरूवाहविजाधिधारणीनालीकूटिकूटिस

अद्भूलारवतायोनोनाचमारीकीदुहाईफुरोमंत्रईश्वरोवाच १७ इतिमंत्रेणतर्जनीअंगुलीने

झारैवारएकादश अथसर्वनजरीमूलमंत्र वनहिउठीयानरीनोडोठेहनुमानकंसवि

लारोवांधीयमैलाफनशब्दासवजायरामचंद्रकैवचनपानीपथउड्जाय मंत्रपढिकैएकीममारै १२

वरवटवापुगोलावनागाःफधुहीकमांत्रे फान्हपुरहरयासाचलेपवनफाहेभेफोईलावैफोईफाइ

लाभूरवैउसारिपत्रवाउगाठैकेशारिपत्रलाउअंगरवउअष्ठोनरसैप्याधिकाटिकैरावनकैशीशर

शउजारीशवरबदियापुगोलाफधुहीचनगावायुपुंजल्मएसभरहेपिंडरहैतोमहादेवगोरापार्वती

कैनीलकंठअोनोनाचमारीकैदुहाई १८ अन्यच उवनीवरेरिकगारावातेहितारिचिठिपावेस ८

लिअधाअरअरेविटियानोरचापकहागेलहरुवफाटेरुवफाटिफापरसेफोइलापरवैफोइला

फाकावेसारिपत्रखाउगईकैसारिपत्रवांधुफारवेवरवटवापुगोलावनगाफधुहीवापुंजलुमई

सवकाटिकूटिसमुद्रहावोमोहीसिद्धिगुरुकेपायशरणा १७ अथजफाफोरफा वाहरुउपर

अदलबदलनेहिपरवसैगोकुलचमारसोनेकधूरीहपेकमियानफारोडायाफाटोसरफूलदुहाई

शेखहियापीरमनेरीकीअवजोडायारहै अवडावोपूरिजापईश्वरमहादेवगोरापारवतीकीदुहा

ईफुरोमंत्रईश्वरोवाच १८ अन्यच अरेअरेडावाकेफपुत्रकालीकापुत्रकाटिकूटिकैराजामंत्री

जायमेराफाटोंकहिआरहिपिंडडायारहैतोहनुमंतकैदुहाई १९ अन्यच वाहरउपरवंगईनेहा ८६

वसैगोकुलचमारसोनेकेधुरीहपेकमिआनुफाटोडायावाडेआनमहादेवगोरापार्वतीकैदुहाई

९

जोपढिपिंडा॰हैसिजंबीर जंबीर मिश्रुत मंत्रथनै वाकै ओडावाकै फूंकखविलाईवाधिकि थानैलापा
चवाणामोलिभैरवपेलाफं खविलाईपलटिजाउधरअपनेराजा मनेरीकै दुहाई जोप्रवारलै गुरुकै दु
हाई २१ धिनहीकामंत्र औहरवालोमैहरवालोलंकाधोडिविभीषणचुलोवेगचलुवेगच
लुमंत्रजुही २२ अथममर्षीकैमंत्र राजाअजैपालसागरखम्नायाराजा वंट धायाधाटउजहीम
मर्षीपानीपियउ सातराजिनेमसिपीपरपात गूगीवाउरीडोमिनि चंडालिनिकीममर्षीतिलर
करथठाठिकरु फुरिममर्षीनीकीकरु २३ अथमुगीकामंत्र ऊंहालुहुलसरगनमारिडकपु
रियाश्रीरामपूसैमगीवाफुरैषेऊंठःठःस्वाहा २४ इतिमंत्रलिषिजवमंत्रायवैनवकंठेवाधे अ ४
मं॰डरु॰फि॰१ थजंउषुहु कामालासेफूंकै ऊंनमोआदेश गुरुकाजैसेलेहुएमचंद्रकापूछिवोइसेकरहुराध

निक आवपवनपूतहनुमंततधाय७ हरहरावणाऊं ठं मं रवणावव स्रंडअंउचिहुं रवेतहिअव
हिवीजगभैहिअवहिस्त्रीचिलिहिअवहिसार्पहरहरहजंबीरहरजंबीरहरजंबीरहर २५ यहिमं
चास्पितभयहै जोपढिकैस्त्रीकपानीपिआवैजोगर्भगिरैशयाउमहीनागर्भपुषीफपयावेअंड
रदृजाप जो१डलापछिसर्पकौचितमाराषैजोसर्पजायजोउठेलापठिखफेजीराकोनेकफेरनो
षजसूषेउदिनमायोमाहोयपढेउ।७।वेर अथवोषैकीवेरहेचरक्षानीकेउपजेकामंत्र उलठियन
रसिंहपलटिथकायारक्षाकरनरसिंहराणा २६ अथफुकावाधीनहरुवाकामंत्र वनमेविआनी
अंजनीजातेपूतहनुमंत निहरुवादेहरुवा जरिमरीहोयभस्मंत गुरुकीशक्ति॰ मंत्रपढिकै
७ सिटकी१वाउवा७लैकैफोरै अथमचप्रामनसतीपोगामयाजनेउतागनिहरुवाकीजायान

पाकैनफूटैनव्यथाकरैपीरआयाकुमैआज्ञामितहैसो २९ मंत्रपढवयार७वार२धोपौमारखर
१० हइवाकैओपानीपियाइव्यथाछूटैनीकहोइ छतालैघेडुकौकामंत्र मेघडेअडुनरहिहि
तातोशरीरगरीकैरोसतीदुहाईअजेपालकैजोनजायराधे मंत्ररीसाकापानीपरोरिपिआ
वैमंत्रपढिकैवार२१सोनीकहोई ॐकंकंरांकेनास्यकोनश्रग्नितग्निनप्रभुफाकधिनहोइ
रक्तपीनस्येनाजायतजीवतिवर्षेशतंतावधुप्रकाशंत्रसहस्यांप्राप्नोतिवृसणोनमः शी
रुद्रायनमः३२ अगस्त्यायनमः ३३ अथमंत्रदादुकैपानीपरोरिपियावैका ॐगुरुभ्योनमः
दंवदंवपूरिदिसामेहना बैलसरगमेरोविसाहनौरोजावैरोचनकैआसारजायासुकिकेआव
हाथवेगेचलवु ३४ अथचहाथचलाईपदिनाईपवनपतहनुमंतकरमोरकतमेरुयाल १०

मेंदरचालनवग्रहचालहोयचालदिनाईचालडोरीचालइंद्रलिचालधालनंविनाशंलकालउ
ठिविषतरुअरचाजहमेहतुमंतेमगेरेलिलिईपीरीरेचेधाध्यालेनेरूपीधानुपरीचेअष्टोजारशतथा
धिजावहुरेविषलावहुरेविशआहतुचलाईकैपानीपियावैदादुनरहै ३५ अथचविषका
पावरविषकाणनीविषपकरियेमौघ ३ जानीसफमजाईदादुकहिआअमृफाअंगेसखसकंदुर
दुदिनाईकेचन्दकरियेमोरिसिद्धिगुरुकापावशरणा ३६ इतिश्रीसावरतंत्रेमंत्रसंग्रहेभानुमती
सोनचिरैआकेपूतारकलायांउपदेशादिशरीरजादिउपशमनं द्वितीयप्रकाशः॥ ॥२॥ ॥
अथवंधनमोचनप्रयोगः वैरीघसावेकामंत्र त्रिपुरसुंदरितोहिकोपोतजगमोहनिनाव पुत्रप
परापेवसिकरवैरीकजनतापजलथामोदलथामोधामोअपनिकापाठवरथिवीथामो

११ थाभोत्रिपुरमाया तिन्हमेत्रिपुरासुंदरीश्रीशरणजोअमुकामैवैरीबलणयपरेवेगिदई ३७। अथ
वंदीषलाशकामंत्र ॐ चक्रेश्वरिचक्रधारिणिशंषगदप्रहारिणि अमुकस्यवंदीमोक्षंकुरु कुरु स्वा
हा वार २१।२। अन्यचतेलमंत्रमाथेलावेपछिमैवंदीषलासाहोई ॐ ह्रीं क्लीं जिमेसर्वजनर
क्षणोवंदीनारसोरामामोहि ह्रां त्रिपुरास्वाहा ३ वार २१ जपेनवंदीछुटै अन्यच ॐ गजगराेडम
कुरुजेदामडंडंकुलफेफेफें स्फा स्फारोनिसस्यज्या सामालाभलंहोहोहोंहोंहोंहुं तिहरांहां
संहसिमानिसभासपाटारहासहंभारणादोसिरचराकरनेवर्द्धतमलजजंतीवार २१ अन्यच
ॐ घोटीमोचेकुक्री भानिकपुकेश्तासापेकविंरजायभागजायसहसविंरजायवंधुवंधु अमु
केकावीर्य्यवंधिदेषोकामाक्षादेवीश्रीशक्तिफुरोमंत्रईश्वरोवाच अन्यच ॐ नमोभगवंते ११

पार्श्वचंद्राधेरेंद्रपपमावतीसहिजायममअभीष्टसिद्धिंग्रहस्वाहा ई स्वामीप्रदेशकुरुकुरुस्वाहा
हिलिहिलिमातंगिनीस्वाहास्वामीप्रदेशकुरुकुस्वाहात्रिकालसमरणेवार२१ वंदीमोक्षभवति
वाघवाधिनिसिंहजाकलिकविकाफलांविआज्ञादेवीमैनेतारदासरणोवरोनाहोयविनाशनोमि
देवीत्रिपुरावनेस्मारलरंचौवष्ठिवचनजायरभोगीपैलावाघवाघथापानीपैअचौवष्ठिवंधनहो
पलचिरलकालिकामधोडेडफरचौवष्ठिवंधनहोपलचिरलकालिकामधोडेडफरचौवष्ठिवंध
नकारारभागिमैचधारथालकालिकारस्मसो एतन्मेनक्षपपूर्वमष्ठोजरमातंजपत्वासप्तवारेणाभ
ज्यनानाविधिवंधनेषदेभवतिसिद्धिमितंअंगुलिनात्रयंप्रलेरद्वारेमेलैद्वारतोमुकीभवति
ॐ दंहंठंग्रांपंचिचिठिलालोचभयनंपीदिकाकालिका अनेनमंत्रेणश्वेतसर्षपस्रोडकुलफूलंच

१२ त्रिजपवाप्रथमछ्वा‍ऽक्षिपेन ततः सर्वद्वाराणिभंजंति इति निगडादिभंजनं अथ से
त्रतो हीरणादिपशुवशवैस्मंत्र: चोरवाघसरपाडधायचनछांडिआनवनजापर
रणसावजधैनन्याव राम चंद्र मारवकउरावन कै खुर दषापमोरीज हजहालंधपारेमे
रेम्हर लैकंठ निर्विषहोई रामचंद्र कै गोरापाविती कै दुहाई जोयहि वन रहे मां त्रैलोगकोवे
अर्जुनः फाल्गुणः जिष्णुः किरीटी स्वेतवाहनः वीभत्सुर्विजयीकृष्ण सव्यसाचीधनंजयः
मंत्रलिषिकै पशुकेगरे बाधै आदि सबारका अनुरूपे लागनरहैप अथ मंत्र किराही
कारेका चेसीरीः चमारचमनेकइलमितांईवाकरपयेपुरुषसाई सूरजदेषतहोसुसाधीजो १२
अवकीरारहैमाषी अडूदरीसाल गोटी पढिमारै कीरानरहे अथागोमहिष्यादिदु

ग्धवर्द्धन मंत्र ॐ रुमा हिरणीप्रसन्न ॐ श्रीं नंनम यह मंत्र पठितृणपशुन्को देय दुग्धं भवन
इति पशुप्रयोगः अथ स्त्रीणांगर्भधारणाविधिः तच्छ्रद्धोक्तमंत्रः विष्णुर्योनिं कल्पयतु
त्वाष्टारूपाणिविंशंतु आसिंचतुप्रजापतिर्धाता गर्भं दधातु च गर्भं देहि सिनीवा
ली गर्भं देहि सरस्वती गर्भंत आश्विनो देवावाधत्तां पुःकरस्रजौ बांझस्त्रीसे यवं मंत्र श्रोत
बांध अरु गर्भपातिनी स्त्रीजैका हिरदा आजे हिकैवेटी होई तौहिपास मंत्र पढिकै जापग
मेरदेतु नहोय पैस्त्रीवेपुरुषतेमम मंत्रन लागै वीर्य जो चाहे स्त्रीवैसो कछु ही मे शिरडारे मंत्र
कुत्ता के पढेवेर ७॥२१। अथ मंत्रः ॐ नमो आदेश गुरु को बांझि नि उत्रणी सुभबंधम
रासयोथी गर्भपातिनी चारिदु मिलि भेरम मतन भई चली चली कामरू देश गई कामरु

देशकामाक्षामवानीराजेन्हईसमाइललयोगीवचानीतुस्नुजुजाऊयोगीकेपासपूजिहित
१३ हरेमनचैआसईमाईलकेसंगनेहराति फैल अंतरनोनासेमेटमइल नोनौमाणिनिकलानुह
चारिउघिनागिकोखिनीतिधीन्हनदेयपगागिकोखिनिनि फत्तापांचसंगखेलीएकद्रा
परीपांचकैसहेलीअज्ञजदेवतासाषीहोहुमोरेजियमामासतापमोहिजानिलागेपापह
षकैपायएकुवुंदनिात्तिकुफुरमन्त्रीनेतोहिजेरहैवंशकेचीन्हशिवाचक्रसेवाचजेउ
जमाउटोनाटारमभूतप्रेतदोषरोगजालेषहोईहेतेहिजगचंडीयायहरिजेविरहीजं
वीर अथगर्भरक्षामंत्रपानीपढिपढिदेयवार७ पातगर्भाचयानारीस्थिरगर्भःप्र
जायते यहमंत्र७वारपढिकेजलदेय ऊंश्रीचनिवंधगर्भासुखमेवप्रसूयते इतिमंत्रे १३

नजलदेयंसुषेनप्रसवोजायते अथगर्भरक्षागंडावंधनंमंत्रः गंडाकटिमोवांधे हि
मवलुत्तरेकूलेकिंस्त्रीनामराक्षसी ॥ तस्याः स्मरणमात्रेणगर्भोभवतिचाक्षयः ऊंधों
धोमोधामोराकहाकीजिये फलानीकागर्भजातेजनिराषिलीजियेगुरुकीशक्ति
मेरीभक्तिफुरोमंत्रईश्वरोवाच अन्यच ऊंकुमोअरेअरेगरुडगरुडतोरेभारस
कलुतोडतोडमेदिनीषापचषतोरतोरअमुकीकागर्भरहैधरुबावाचीकीरऊंकारणा
तोरिशक्तिहनुमंतवीरकीशक्तिफुरोमंत्रईश्वरोवाच अथमंत्रशूलपानीपढिपि
आवैशूलजनमोलधटे कालिकालिमहाकालिनमोस्तुतेहनहनदहदहशूलेनतु
फट्स्वाहा अथबालकरक्षाकेमंत्रमोरेका उलटदेवविरहखंभजारजआउआननरीसं

१७ हरवजेउकरै फलानाफामेवते हिषोउ नरसिंह खंखः खंखः खंखः अन्यच अादिना
थमेहरन फहकुकहक याजोजे हि अवउरहोइ तेसाव होई सावरछ महावावडिलमूत
व्याधिडीठमूठिममवा दिफैत आनोगहे गाबु फनमूरवाइउ संती वैमनवाइविनती
फरे मैरवटो नहीलै आव मैरवनंद फाशी मैफोत वालय नारसी फेलमवालफ मैफीजह
रक्षिहालाषिइलवानहे अन्यच स्मशानीचरमौमंग्रधारी कपालनिह गइनि मारी
हष्मिनिहेष्मि नियडीपुरहाय दिशिकै वैसीपीपलकै डारसातसै योगिनीजागैमशानडी
ठिमूठिबांधिकै आनग्रहगोउफनमूरवाई उसंतावैमनई चांदविनति फेरेजाहिमे १७
रवटोनहिलै आव अन्यच ऊँखिलबोराईखिल तोलोनषिलसौ शोजनसुाज्ञाफाल

मीजोठि अग्निपरोसजे आगह्उपंथरोषई भस्मांतलोईजाइ पंथरााषिलउ पंथापंराषिलाउउषि
लउपर्वतलाय चलइ विसफरो धैषेलोह फेधन चटडीठिमूठि भस्मां है जाई अवनिडाठिपराडि
फीठिपाछे घल्लुचटछुनु मंतनतेरीशाक्ति अथगाडावालकरक्षामैविधिः ऊँचारीफन्याफूफाना स
तनेरहनागभयासनुधोंधामालपेटिकैजमिधोधामायाउरलैफैठनईश १२८ रैसींधिकैमान
खवायेसत्तफैगाडपूरिकैवालफफेगरवाधे मंत्र धोंधारलाफै धोंधाधोंधासमुद्र धोंधासमुद्र
केफिलजानीजानहुधों धाजनिजरहसुतजरतोपार्वतीकैश्रीवरजोमेमहादेवफैजटाजरे
अथमंत्र गंडाफूफैफा ऊँ प्रासनपारोीक पलतवीरफपासनवोई गुरुखरोफी फैरनमासु फी
सोनीसाबिपारीजोहिमेवांधावांधिकैजटायची बांधिकफामहूँ विघाफामासाजलवि

१५ धिनाथगुरुगोरखनाथक्षेत्रपाल अथ मंत्र पानी फूकि कै पियावै ताका पानीपानीतीनिपानी असावित्रुम
महेस्वरजानी शिवशक्ति अहोकुमारी अथ धार मारसव नोहि मैनाई फनकुफुकुचलेउ ग्राहपाल
कैकईताकेपूजपसमलोमहादेव कै जटापैपार्वतीकेआवरजोबालकपअवधुःखपावै अथ बाल
कम्मारैकमंत्रः शंभक्रसमीकेशरीललितपंचमीकेशरी बाहलिमकुटेनकुटे कारकंजविकारोतीति
शाकोटिमनमीमदेशं धशीभीमयालेकेरु अह महयालेसंमुखराओपिबायेमोरकोवेतगरुड
कंठसमुद्रनीएगिदिमिनिउबापंथराथमस्रांतकेजायठोरु मक्षिरमीस्वाहा कथा शईस्त्रीकेनाभी
केहरयोनिमेउपरमाधीजलसेमारे माखि मारीस्वरी मंत्रपढिकै फूकै मधीजीवै बालकनी
केरहेजीवै यहप्रयोग गर्भपातिनीकेकरैतोजीवतहोई अथ मक्षिकासंजीनीमंत्र ऊं आसरस १५

असरमंत्र ७ इतिश्रीसावरतंत्रेमंत्रसंग्रहे भानुमतीसानाथैयाक नूनरकलापांउपदेशगंध
मोक्षवाटोउश्चाटगर्भरक्षातंनमोचनबालरक्षादिप्रयोगजीपप्रकाशः॥ ॥३॥ ॥अथवि
षोपशमनं मंत्रभेलाठतारेका भेलाभेलामहादेवचेलाडारसासेरोपातआसनतुपवछन
गगडकरियाकनयसआतपारहोकुनमारीतेतीशकोटिदेवतासुं रवेषाआवाटीसातहाथ
कयासाठिहाथपैनीनाहीपीशुमाकुमेआनीसाने मकुलोहपेकाधारगोरापित्रेपमंद
महादेवडारडेहाईमहादेवघैकुहाईपार्वतीमैउछ्छेहोउ यहमंत्रठालमहलिखिकेवजावैह
जितेकेकानमाशद पैरेतेकरतेसरमाकुरउजरे ठालमेमानेविषहरो ओविशफाउरिखाउ धर
होतेजगमयोहरोमीठधूरजाउ विष ओटंज विषजोहरंतविषमजविपारी श्रीमहादेवअ

खनै गोरा पार्वती का ठै माटी रेला चेठे व न ऊ रुक्त माऊ गोचर माटी दूध पते रै माटी परो रिद्धि ये ठो
१६ ल धम कै जीव मह संक ट आला विष मे खाय कुलाई पार्वती कै दुलाई हनुमंत कै उन रिश्वा उपठै वेर ऊ
अथ उपविषमंत्रः ॥ असी घोरी औ करि पारी तीनि उ गंगा पानि पखारी गंगा यमुना बाके अंतर
चा दिहि कपिला गाई महादेव ललकारे गोरी लेइ विष जाई नाम जापन्त खापर बाप कै महादेव
के जाई विषा हो उ निर्विषा अमच माहे फूली अरसी लेभाउ रचवा हि महादेव विषपरसे गो
रा वै छिन हाय पक थि करक पि कर विष करि लागि कर विषपं चौ विषपं चौ प्रत मरि जाय परा
महादेव के आन विष हो उ निर्विष म्माउ रानि खवनि कमंत्र मन चरई विष पवन चरई चे नाथ की १६
विषमया नी मर ईश्वर महादेव त्रैहु विष दीनि पानी पिया ब्रह्म उचुरह या नीनि गेन का मारों तीनि

छी नि पाठः १

ईश्वर महादेव वा चाउ हाई अथ फू ऊरकाटे ते मारे का मंत्रः ऊ मारके चाम पर कै माटी उंक पर
फेरि फेरि के झारे रांया नि शौरै नी फहो र काउ ना विसारी धौर ऊ लाऊ खोर फलाने के काट ऊ
ऊ खाय धेले आव अन्मच ऊं ऊं ऊं ऊ ले स्वाहा यह मंत्र पढि पानी देय चुरु वा सात ७ अथ सीं
गी म धरी झा स्का सींगी सोरी मे पता सी मोर मारे डुंगी दासी जे पाल खन वायो बरा गौरा वै
ठि न हाय महादेव पढि फूंकै विषा निर्विष ह्वे जाय अथ मंत्र कठमे जुकी का सो नेक
सिंघो राह पल गा वान छू वम स फे म अलि मे जुकी लागि सिन निव धर वह याके कान जि
उध लव हया मंत्री नू हू हि जगावै ना नायो नि पार्वती जागु जागु उपदेश क व ऊ हो उं क अरु य
ह मंत्र वि ध्रु की झारे का अथ औषधी घी के वेरी हर्ष के पाता ने करे रंग निकासि कै क

१७ नमाऽसौ तौनी कहोई ऽसहिप्रोषद अमिली कायीजत्तेक सिमो हरी रगाकैदापादेईजव
मोलाक्षीनाईलागैतचनीकहोई मंत्र सुहीकारीगायकी यमरी पूथ्वीतेफेरेगावेरे विश्राय
वीधीधाकीधापीयरीधाधूम धुमारीछवरननपरारीछवफऽ कफु ठारीऽ जह वीछी
होहाऽ जारतेकसमारे नीलकंठ गसोर महादेवकीदुहाई गौरापार्वतीकीदुहाई अतली
ठहीसीरचन धाई ऽ जरहिजो नवी धी हनुमंत ओअ हनुमान कैदुहाई अथ चूना
खायका मंत्र चूनचू नो तीचूनापानु चूनाखायजगत्रपजान मोहिन लागेईश्वरमहादेव
गोरापार्वतीकीआनफुरो मंत्र ईश्वरोवाच यहमंत्र पढि खाय तो चूनान लागे अथ १७
धतूरेउतारनमंत्रः धतूरा तें भ्रमै जाय पुत्र ऽ जो वारी महादेवलवै गोराजौरे महादेवष

खाय यह धतूर माटी कै जाय फुरो मंत्र ईश्वरोवाच वेर २१ पढि कै खाय अथ खवरा अ
उतारे का मंत्रः दीखरलजर याका पावनु लर ऽ मायेकपनाय मनमुखा बेवाबेघरलै ईश्वर
महादेव कै आज्ञा गौरापार्वती के आज्ञा सबक्वरो आग्रहीआव पिठारकै गावो लेकै क
रन हिमावघरो यानिकैस कारनी नीक होई अथ माऊ हमारे का मंत्र सिद्धि गरुडपारसना
नैसहीन मरै काजा विका लेहाथ लेयियरवडिए अमसार अन्यच पर्वत ऊपर सुरहीगा
ई तेकरे ऽ गोवरे की छिपिज्ञाई छायाती मांकंधा गारी ध फजोत ताऽ ऽ डताहि विषामोछी
टावहि आई आठगाठि नवजोर खीधी मेरे अजोर चलि बिली धाधन्नो धाऽ ईश्वर महा
देवकी दुहाई गुरुका पावशारलाभैजन वहीगुरु केठा वहि बठाव हिवी घीपार्वती अन्यच

१८ वीधीवीधीतोरजातिछकारीछपिपरीछलुस्यारीवोधावधानापशमात्पायनेतियैधीछी
त्यिचन्देना हीठाउ उपरजासितोग्रहधैलाई शिवचचुनशिवनागिरुआनबैत्राति
महादेवयेत्रानगौरापार्वतीकैत्रान नेनाचमारीपैत्रानउतारिग्राउउतारिग्राउ
अन्यच अखरठअनिवैनमानि उतरुचीछिमतअरुवाति अन्यच जेसंदेशलैआवे
ततहिपानीपरारिपियावैकापीरायपशिरोमनिफरामुपमोउमाजासि अवनवधैनो
पानिपियायौंगधीउनाजोसि अथसर्पप्रयोगमाह मंत्रसांपकारेखाउतारिशिखा
रीवदरीमध्यथाठकालकपुरुषएकठाथघअस्पहाथगदाचक्रमेरोशतखंडजाई
गदामारौंसप्रपातालजायश्रोहरहरनिर्विषविलाई अन्यच थिरपवननहिविशना
३ पन्नगविषनाशनमंत्रः कवलउमापोतिकवलमापांचभवरकमिलायवहीधैलना लौवोपानिचे

सेवतोहिप्वीविषचरहरकाजैपसंसर्गोंत्राषविषमोसंदिष्ठुनहिविशातहिविशयहि
मंत्रतेकुशलंवापुगलेम्हारेतत्कालनिर्विषहोईजयावैधनम्हारेफामंत्रजयाउप
कागरे ॐनमः शिवायशिववित्रायपुनः काणाचरेमीठेपानीश्रापरपीठेसवामी
रविषनिजवोअपनेउठे ॐनमः शिवायशिवविस्ताय व्हारिजगावेकामंत्रः छ
वमासंकीपरिउकायाकरानेनतोरामक्षिहिकाग श्रांतगीधउडपउपरसरवारहन
यटावलिंषवनीनापारीहांकखंडानकनेपारीडांकउठिठाठमयजागुजागुपरमे
स्वरउवरेडंकम्हाउतारीगंगायजजरहः जीगीफापरेलाफेपतश्रावैजीनायागिरि
डंकउठैविशारैसातसमुद्रमाभेरवंडनकवीरवरोजीवधरंचरुवामंगीरहहिजगावै

१९ अना या गिनी पावे तौ जाउ जाउ परसे स्परउ ठै रे ॐ अथ च वहपटु सराज छनु कालेप
डंफ डंक मे ऐतो मै मारौ सा नाग दसुर लपाजर रा कुराउ एका काल खं खार मेश्वर मंत्रः श्री
पुरुषा फाटै तो चहु दिशि कै मंत्र पढि पैश्रू भिजोरे जो प्रान मा काटे तो हाथ मे कोरे ॐ कुउ की
रखंध मा र कह विशनाजार खाय आपु का का टे वा प्रान का फाटै तो पढि मै डंक पाछि दे य
ॐ पापल पोश्रीसर्प पारे धाउ डंक लुन उसा ईहा हमजंअ फदो उर्ध्वति पूषि दस्सी नी गाउ अंग पाधे
शिनी तो र विश धश नी अर्व पक्ष नी मंत्र सर्व साधा रणी खु वे सा पपर ड फड कपर नानदेई भैवि
दजय नो न लागै तब जानी की नीक भेल आठ नेग खुरयो तो चार भजातो जोतिको न सर्व १९
रवाय लोरन जाति जो मुखे क्वा टि सो से मुरवे ह कार कोटि वास जो पली पर धाम रले मार पहि जे

माथे हाथ दे हबै पढै निर्विष ह्वै जाय अथ शंष मंत्र स्थावर जंगम माहर पर ओसां परै हुनो
पर वस तिहि ॐ जाय मुकाय शडंप्र रे विश धाहर फेरा गजा जर हाड जर जर बोले ति सीश धा
रेरे विस चा हि जा रे विष नाहि सप्र डूइतो निनाहि नाही रहि मे माहर मारे हाथ मे पीछ फ
चौहर्दी पुरानी चौरा हि नी सेपी शिकै दे इनी क होई जैसे फोम बीन्हा होई तो मारे मे सीवुस
मेत चौरा हन हर सी देय भूत रूप जाई निपागन नास रुद्रा र सहि मंत्रेण ॐ ह्रुं मेजतो हरु
मंत्र धिलारे कि ब्क्रीं दा नगरे जाय श्री राम काजे श्रे लो धाय श्री राम का ष्यी ससरूप क
रिवान रो बलो मते राम लछिमन सीता कूर कोटि कोटि आज्ञा अथ मजघेरी जि आवे
का मंत्र जे हि काटै ते हि नवार कै प्रान धोती पहिराय कै मूडवार निहारे मैं जे घार काठ हो

२० पतेलिखीकेभारेजववास्ठपाआमेसहजमहन उमंडनिर्विषजानी अथमंउमंत्र
पांचश्रीगुरुसहायचरणदासकेपणसहाप ऊंक्षस्यप्राणफोजो निपरसुरामकठाधरीपी
करीडकं तिथाउधाडेरविशेअथगामध्यहथाउमेरोदीपरधमुधाडुरेविलोना
लिजोम्लिकुशुनपदंमूरिजलेकायेडाकीलाधारिपरिथिलिसर्गकीइंअसभाफरिथिलेगस
उकोहंकारोआज्ञादिलेप्रभुहोजाहोगरुडनंदकुमारजिपारउठउठप्रभुचक्रधाधिआ
वे मंत्रमुंडकादोसरसूपदिएकावहोयपहिंवभारे चलेपीडपुरीशिवेभुमलाजीपपार्वती
रीजाउदहिलेराउरहादिवनेनिदिषकेउरनिजकरनमहविसिजिडशिवहरि विसधिआमं २०
चतीसएमुंउकरश्रोविषजहांलेचठहोयचरकेनामारोतेहिजेउतरिजाप जिहिवरमें

गरजाहकारसंदीपामंरु शविशलेईजुकिवंदीपिवहसाक्रिरक्रिरकारे कादिविशोसर्वभी
मरि चौथामुंडकरवीथीकीराटोनामहोरकामंत्र स्वानउपगिवरडव केमरगिरिशानातेहि
वेसिगरुडकेफलहरभरविशामोरवालकरगइठिमूठिसुरशोचानासेगारभागिरवि
राशाचामुखेमन पंचममंत्रमुंडकरऊंपंचारसवीसोपशिलाकीपलीमोरप्रभुजगसोह
रनाथडाकिनीकरनधुरगदाधीरेरेविसवहनामिराकारकपरफरआरभीनलवासिला
कपेमटीमोरप्रभुजगसाहरनाथडाकनीकेकरनधुरगदाधीरे रे विसन्रचहनमिराडाम
धिद्रिनिरझीफरआरभीनरविशेगयशीलाकियेलीमोरप्रभुजगसाहरनाथडाकणके
करनधुरगदाधरेरविसाधियावहनमिरामुचेनफरआरभींविशापशिलाकीपापीमोर

२१ प्रभुजगसोदरनाथप्रकेलोकेमधुरगदाधरीरेविसधिपासपसरतोपचेरठियाई अथ
नेत्रमंत्रः उठिवैश्लावीरपरिगेसाधैवंद्रधरैकीसुरजजायमोपोरभीतरप्राखनैजेमतेहि
जायविशाथीगईथोगायमोरोदीपकोविचारीपेकाशीनारकेगोठेपधीरेविस भस्मंतजा
विवीरतेश्रीजगन्नाथचैरमंठाषिम्नशिलिविशाकरनिद्राजागेसासंमुखावचनजा
जेपैलेवायउरकिकरक्रिऊकेजागेसारीमुवावचनजागेभागौनोरकंभफरणायस्वधयाकुद्र
नकेपेरी अथमुखमंत्र काराकूकूरसाविावरराग्रावोदीपाटोडाहकीचनगिरिशि
षरपंडरीपाटसरेविशनतेमहागरुडहंकार अथकाधेकमंत्र कोटघेरविसकोघेरे २१
भितसंरुजापाविशोवस्मधैरमरनेभुक्किनव्रसाकोननफूलीवोधीव्रसाधैलैविशम्

हारभागिरेविसधामुखमार इतिमंत्रसंजीविनीद्वादशमंत्रः अथपसुसंजीविनी सर्प
२२ मंत्रः चतुःपथपृथ्विजायकेतीनिरेवाकेपुष्पावीसुमहादेवलषननावधारिवेल
पत्रअक्षतसेपूजाकरैतेहिऊपरपशुमजकराषेसातमनुष्यग्रामांवारकेसानअपनेगाव
केठाठकरैपशुकहउठायकेमुष्यनधपेपहिलेअनेलेगगाहिफेरिदेहिफिरियाहि
वारफेरिकैदेहितीनिवारकैपठेमंत्रतवजागो मंत्रोयथा ॐमारमारविसमाऐएमल
षनकोधनुगारैमारधाउडाडरेविसमारखेतकाकनिचणीमुथीसधापसरेविशठाय
ठाय ७॥ ॥इतिश्रीसागरतंत्रेमंत्रसंग्रहेभानमतीसानाचिरैयाकवृत्तरफेलापां २२
उपदेशस्थावरजंगमापविषप्रयोगः चतुर्थप्रकाशः॥ ॥४॥ ॥अथमोहनीप्रयोगः

र्निवाएसोफोटिरवलाजोपसोजेतेजगसोदनाथकोपकसे अथधातीकामंत्र ओंवरम

नकुउरुफनविसफनिदुहरयरानेकरियेफांसचरदेनीस्रातबारहोइलधिधिविसयारु

उगलाकहिचारउगलाजाइदेछइसमाधिधिहरविसनाही अथपेटकमंत्र जादिनेग

रुडपतालेउलैवासुकिधापियमेतआपलैसेअमतछिंचधिचिलतउठिवेसीलैश्रीवरा

मारीसहकेफाएमानहरेरेविसजाहिनामिमुंडीरेविससेतमहागरुडहंकार फरिलाचकमंत्रः

पदपनरउपसीलावारनापदेकुवारीनोलैजोफरेठकारहेठेलावसनिरभरनेहैलाविस

चारउगारकहिचारउगलाजाइयेछेइसमाधिधिविहरविसनाही अथजांघकमंत्रः

ओंगाठिफाठिकुचरिकाटहरीलाविशकोंतेफाटेहरोविसहरगोईठिसूठिसुरसोवानसं

दरमोहौदेवानमोहौठाकुरमोहौफारसुइदारमानुष्यमोहिसभावेसायमाउषमोहौमाहि

नीऊपरगौरीशिवसंकरनाथमोहिदषपानीपंथकैजायहाथमीजौमरवमीजौनेलधारसि

हउधारपेसतसभौफेरोसियाएसंध्यासमेउजातारामलषरा हनुमंतहकारफाएगडरीकारी

कातिजायवैठिहमफलानीकेरवाटसोवतहोइजौजायजगायजागतिहोइजौचटपटिसा

तठाढाहोइचलाइलौउफरोमंत्रईश्वरोवाच अन्यच फफालावलीपषनीएजाप्र

जादेषनीवाटकेवाटाऊमोहोपीठिवेठीरस्नीमोहोमोहीमेतेपांचमंस्मीआदमीनदेषा

हनुमंततेरीशक्तिजेरामचंद्रकोकाजेसारोमेराकापेसंमारीहष्ठिवांधुजगचलावैतौज

गवंधुवंधुदशद्वारफरोमंत्रनोनाचमारीकीशक्ति अन्यच फूलनोनजेलपानलै

२३ गमिठाईपढिदेपयाए७ याप५ दुनौ मंत्रफीस्कैक्रिया इस्त्रीजवचलीजायतवव हिये
यामपावैकैमाटीतीनिवेरपढिकैडारियतामैउपरसोवस्यहोय मंत्रोयथा धूरिजिपंथ
धूरिजि हलधरोतरोईधुधनीजाहिको चाहौथमाससम्वतसरजाकोचाहैनागधूरिनाम
न नागो यली कोटि ईश्वरकै आनि अथमंत्रविधिविक्षकलामै आदिमयारकानत्रहोइकै
अंगपडोरानराखैसातवेर्पढिकैमूरवेरियाकाटिकै फोइलाबरे पानिकोइलासुलगाइवोक
रे माकसरिसवसे मंत्रपढिसातवेरहोमकरे ऊपरडारेसोवस्यहोय मंत्रोयथा ॐ एक
मूठीराईचिन्दुसरिसवराईकामरुजापीलोनजाईमूडिआवाप्रावादुजाईउडिआये २३
सरिसवराईआमनहिपुरवैआसफीउपाचप्राराभैमनहिपुरवैआसत्रमसुफीलंफरत

हमवोलाईलौकमाटीचूरकरलोसातेमांगसातविजापसातसपसदुरासिकीफिरियालाउ ग्रमुफीश्र
मुफारधारसेधाडैनैरायिजरुप्रत्यक्षमेतरपासफारअन्ना कामरुफासार अधावरिडमा लागु लागु
लागुजवनिहवेलोनजाघपापतहिडयामसेसातवेरपढिसर्वजनवृस्यहोई नवचपैजाय अ
न्यव आनवाधोवाधोचीवराबोमोहनीमुखवालतिजिभिवाधौ[illegible]नीहोयरोहि चीनमेरीभ
क्तिगुरुकीशक्तिफुरोमंत्रईश्वरोवाच मंत्रपठिकेलोगदेईइस्त्रीवस्यहोई ॐलवंगसवंगलवंग
सिलाईलवंगभेदिनरुनजाय पढिलवंगदेहिजेपुतिलाथ फावपरेउठिलागेसाथउठिनआवै
वगितोमेरेनरसिंहवीरलवंगकेपूगटकरैईश्वरमहादेवकेदुहाईगौरापार्वतीकेदुहाईलोनाच
मारिनिकेदुहाईवेगिवस्यकरु अथदूसराप्रकार दवारीकेदिनमनुष्यकेकपाललैआवेआ

२७ गिपरधरैके वहिमारवेतसरिसव मूजे जवसरिसवपटपठापतवएकसपेरवादरीविधायकै
उत्तरदक्षिण तेपरसरसवफोलेफीसरसवपापेटकेभएपरे माथेसोईकपालसिरहानेफे
फिरएजवसरिसवउलटीतवसबपरसेउठे जेपेटपरलागीआवैतेअबगएथेतेलिसरस
वजेहिषाईकरेयसोपीश्चलागेजाचारिपरकीरपरोबेठिरहे अन्यच देयारीकेदिनए
कमनुजकपालल्यावे एकस्यामवरनयाधा पहिफाहेइतोनिगायफाउधुश्रीवासपती
धानकैवाउरकैकपालमारिरीधेपीपरतरजवपाकहोईतवकपालसहितषीरपीपरमारे
जोनषीरपीपरलागिरहेतेहिचाउरकोमारेमनुष्यपीषेलागे भूमिकोमारेतौभूमिसिरेजेहिचा
उरमारेतेहिकीजोफिरैताकीजामारिकैदेषितोफवहोई टाटकोकेवलफठिनहे पुनमोहिनी २७

प्रयोगः कामरूपोगनोनालेआउचारघोडामोहौसगराएगांउनरमोहौंराउरमोहौं ठगमोहौं
ठाकुरमोहौं व्याघ कामपलरिपरपातसमाबेठिजबोलेदायमेहिमारोनरसिंहधाय पापन
कीधूरिलेयमाथेलावोजातेराउरवैसकपायोसमेसेतवधारहिपीसपारसगरोसभाकोएसि
पारडलाईगृहफेदुहाईलोनाचमारिनिकेसोवपुराकरैकोपार इतिजपेनसिद्धिः अथमोहने
तेलमंत्रः तेलतेलमोलनतेलपहतेलमारेमलरूपहैंआवैमोरपायनपरेफारीचिरइपावनवसे राजा प्रजा ५
वसकरैमेराउतजाय नारसिंहके माहि नीरहीसभामरुधापरगुरूकीशक्तिमोभक्तिफुरोमंत्रईश्व
रोवाच इतितेलमसकेलावे अथमोहनीधूधिमंत्रः ॐधूरिअरीतूधूसरीआयसीसपरडा धूलिपाठः २
रधुरिआरसिरदेसभाकरोफिजार पेठचाधुनिकरतेसिंहफरतचढिवेठैनरसींहहनफेव

२५ छिवैठिमेरीभक्तिगुरुकीशक्तिफुरोमंत्रईश्वरोवाच अथमासनप्रयोगः ॐभैरवभैरवमहाभैरव
कालभैरवधूम्रलोचनक्षेत्रपालियेत्रिसूलखड्गडमरुहाथ फः फः फः महाभैरवमंत्रअपस्तापठावैनेते
जेपवैरीगंधीकोमारेपछाटयेहनमाथरेनानायातनाकरियेखिमवेजाकोपठावैनाहिमै
खेपर्वतपहारकोरैलोहकोटचूरैपैसिवैरीकीधरतिकरैप्रंगअंगभंजेखिरूपाहकीशत्यगो
रखकीआन अथयंत्रवसीकरन गोरोचनकस्तूरीकेशरिसोभोजपत्रपरलिषीकैकंठेबां
धयतौराजावस्यहोय इस्त्रीबांधैतौपुरुषवस्यहोयपुरुषबांधैतौइस्त्रीवस्यहो मंत्र सत्यना
मीसत्यगुरुतोसर्वगोइतिमंत्र अथमोहनकरणमंत्र चामुण्डेहुलुहुलुचुलुचुलुअमुकीं
वसमानय इतिमंत्रपानपानपठिपावैसोवस्यहोईईस्त्री अथपुनःमोहनमंत्रलिष्यते २५

ॐअंपंत्तेमोहयहरहरदलहरहअमुकींवश्यमानय यहिमंत्रफासात्वेरपढिकेफूलेपूपजाहिदेय
सोवस्यहोय दोसरयंत्र सूअरीमूत्रसोउधिष्टमांडोपरिजेकरनामलिषिराषियेसोउच्चाट
होइ यहमंत्रपढिवेर२१ अरुआपानीपिआवै२जेहिआसोवस्यहो य देवदत्त य

हां ह्रां ह्रां ह्रां ह्रां ७
हं देवदत्त ह्रां ५
ह्रीं ह्रां देवदत्त ह्रां ३
ह्रां ह्रां म ३
ह्रां ६
ह्रां ह्रं ह्रां ह्रां ह्रं ह्रं

मंत्रपढिस्वेतदूबमाथेबांधीजोकहैसोवस्यहोए
स्वेतदूबजगजपताभिरामीसर्वकरसंकरनियाभिरामी ॐअंपंवैरीकंपैस्निवास
नवैठाराजेकपे●बैलाकवस्यहोई मंत्रइस्त्रीकेहाथमहावरसोलिषि
देयसोइस्त्रीवस्यहोयमंत्रोयथा ॐकामिनीनिरंजनीस्वाहा अथ
मानमतीउनिहष्टिबंधनमंत्रः अंजनीमंजनीपरजपजोगिनीदाता

२६ द्रिशिपापीमवीरयोधीलागलागसबाधरीसवापहरस्मगुरुस्रादेश अथ मंत्रपठिज्योवारे
मैनथावादकगराकैपठैवार७ तौज्वामगराग्माजीतै यथा मंत्रः ॐ ह्रीं अर्हं नमः अथ
स्त्रीवस्यमंत्रं कावरुदेशकमव्याहेतीजनरावेसेइसमाइलयोगी इसमाइलयोगी जगाइप्रथ्य
वारीलोनावमारीविवीननआई फूलहसयफूलविरसयभाजीफीलमेरववसेफूलहसयफू
लविहसयफूलफलीनारसिंहवसयफूलहसयफूलविरसयेफूलफलीफालावीरवसैजो
लेइफूलफीवासासी आवैरंडीहमरेपास आगनवेतुहीनासफवान लेआवकडुवाफली
नीज्यानिलपटिलैआवमपटिलैआवपटभिपधाटिठारुठीलेपमनापलैआवबैठीहे
रउठायलैआव सावतिलोमजगायलैआव इति अथ पुनः उपेजहारलंगमवेश सामेजोमै २९

स्त्रीपासबुरेजरठीउमनजाठीसमगुरुसिद्धिगुरुमातिफूलजनीफूलेलागेउचमतीयालेहफू
लेकावासलोउठिआवैमेरपास मंत्रपठिफेगराउचेवीरजेकरीवारधाडिदेइसोइस्त्रीवस्य
होई मंत्रोयथा कालीपुनीकालीराति सोमैजौ आधीराति जिसइवाहेतिसिपापरपरावोस
मगुरुसिद्धगुरुआदेश अथ मंत्रगउप्रयोगः जहजहगुउरहायगुउभीठीजहगउज्यो खिलाव
नपावोजिसहियाहैतिसहियायपरावो कालगुरुआ कालीराति मेसासु अरमेजै धीरातिप
हिलेमोहेराजाप्रजाकुनिमोहेमगलपठानशेषसैयदकोउनकेरेराउतोरगुरणीनोरपाउस
मगुरुआदेश अथ नानाप्रकारमोहनी सभामोहन सभावेसिसिंहमोहोंसमैफेरोसियारग
जामोहेप्रजामोहेहनुमंतमारिमोरिमोहनीगहफैरातिमोरीभक्तिशक्तितिनोनोयमारिनेके

२७ वाचा धूरला रागिये श्री रामचंद्र सोजो दादि फमंत्र गाजन दशन्या इन्हतीन कुफन्या ना उत्तेइना अे
लेवलनमन्नमोल्हसमाऊ ठगमोलै ठाकुरमोहो संग्राममे पैठिने रवंडमोहो नरसिंहने दुहाई ता
कुफामम्हिषाके दुहाई नोनाचमाररिने के दुहाई महादेवके दुहाई गोरापार्वतीके दुहाई पानी पंथ होइ
सपधरिधूरि धूरि चहि पारी राज मे पकरी तो मनि आरी धुरि या धोम्हके लाऊ ली लार सेमो माऊ
जिपार धुरिया धुरिया धूसर धुरि आमो रासिंगार धुरिया लैमे वंदो गुरुके पिआर नरसिंह के दुहा
ईता कुफ महिषाके दुहाई हरस्वर मल देवके दुहाई गोरापार्वती के दुहाई पानी पंथ मे जाय गुरु
दमोदरस भामा हनपुरुष आदि तो आप जो इक आली फकरी खाप जगनमारनी मोहो मो
हि मोहनी नाउ मोहा इंद्र मोहो चक्रमो हौ रस मोहौ गोविंद सोहा मज घरि वार हिआ मोरधा २७

प चालिजा उफला ने सेडुरि गोरख थली रमुह विफरार ठाठरहै निराधार मो रिमाति गुरु के शक्ति
मोहनी ओ धोहनी ता लिपी सकरार मोहि आवे टके दप मोहि वेडु हिकवस फी सीर खेमेलेपारी
फ नहि मसरु फीन्ह विया री धुत धुत मरोवरार मोरमें मजानि ठालेपास यार र फारिया वार्वधिमा
रिजा हिजा गहसो डोया नचाहि य ठाठरह वाहिय पूरुब देशर हि आई चंडी उन्हदी नमल मोहि
तेलवंडी सो तेल मे लाव लिया सग रिडसमा मेल विला जात मे जा नल आवत कैयान नग
रुधुमलचंडी तोरस्नान धूरि धूरि तोरजो ने खेत मास नवाट हि ततला वहि लै फाशी थमो रपंथमो
रे द्वि ध्रुव रुफा पार जावै मो हनि धोहनि मोहनी मोरनाउ नगर पैसि मोहो सगरो गाव बैरमो
हघाट मोहो सिंहासना वैशारा जा मोहो आदि हस्ते महीभर पूजे नरसिंह देव मोरलिखार सिंहासे

२८ इसिवो लैसमके ऊपर तेलपाठ कै मूलसावै वा पायन की धरि लावै कार्य सिद्धि होय अथ छिद्र दृष्टन
मंत्र राईराई तुच्छ पटाई मरे मसाने मफिरी आई जरिहै जरि बरि होइ हथाई अमुका मुका से होइ
सराई अथ गर्भ विधिः ॐ मरएकवंमकमुवाम गर्भपातिनी का मंत्र सप्तवमाइ निका ॐ जिवे
षि ४ अम्मज घरिरिरि स्वाहा इति मंत्रके शरिसो लिषि जीभ ऊपर ॐ भगाय स्वाहा इं भगाय इति मं
त्र गोरोचन सौ लिंग ऊपर लिषै तन ई स्त्री के भग मह जी भदैके पास जाय निश्चै गर्भ रहै पुत्र होई
मंत्र लारै ध्रुअन्ये का है जो लिंग पर लिषे का मंत्र जीभ पर लिषै औ जीभ पर लिषे का मंत्र लिंग प
र लिषै तो नीकी स्त्री को बंध्या दिद्रा षहोय अथ दिव्य थांभे के मंत्र तेल थांभे कराही थांभे का
जोए क अक्षत पठि डारे वा एक कौटी पठि डारे तेल थांभे जल थांभे थांभे लोह की धार ॥ २८

अथ धातु वैसंदर थांभो या पुवीर हनुमंत अगि आ बेताल अहोनेल जरु जनि वहे जिनिष
ऊन ना गरु थाम मथ्य जौर ◬ गोरषधरे जोग वै गोरषधर पडहाई राजा अजैपाल की सिद्धि आ
ख्ये होइ वाचा पार्वती की जो न बांधे मंत्र कर्मनाथ योगी से सिषा कटोरा चलावे का मंत्र चोर के पक
र का कटोरा यथा कटोरा भस्म नाग्न्य चक्रे अर्थादि मंत्रेण अभिमंत्र्य चोर नामैव ग्रहणं तिके
नामध्यतः ॐ ह्रीं चक्रे स्वरिय कधारिणी चक्र वेगेन कटोरं भ्रामय भ्रामय घोरं ग्रहणामि स्वाहा
चोरस्थान कटोरा जाय अथ दूसर प्रकार चोर का चाउर चबाये देवे का मंत्र ॐ ह्रीं चंडिकापालि
नी मुद्रिकिनी रक्त ठारु ल्पेंकः पस्मं नसातचर्प्रक्षाल्मनच चावे का दयने हि मह जो चोर होय ते
हिके मुष मह रक्त आवे चाउर सूषो जा होइ अथ तीसर प्रकार आदित्य वार आगन गोबर सो लि

२९ पावैमतुष्यैषापरीश्रानेराषैवभनीभेमन्कारश्रागनराषैसवभैनामलिषैवापरीकैनिकटस
वराषैतबषापहिमोरचौग्जोहोईतेहिकैजीरखोपरीचिटिकीभेश्रावै॥ ॥इतिश्रीसाव
रतंत्रेमंत्रसंग्रहेदुगामदनाविविवभैसापांउपदेशम्मारणमोहनोछषरणादिप्रयोगपंच
मप्रकाशः॥ ॥५॥ ॥प्रथछाणयंत्रम् मंत्रयेनाम्कारथेप्रमसंकरैकै लोहेककोछिया
वज्रकेवारतोहिनपहनहिस्कृउवारस्कघंटाश्रनेभैवांधोडीठिवाधोमूठिवाधोयानावंधो
टामनवांधोश्रबपावाधोपठापावोधोनाथावाधोनेरावाधोसगीईक्यावधोपातालबा
सुकिनागवाधोसैयच्छीपाठउसनवोज्ञाकीभक्तिनारसिंहहंकारवेतुसैकिजीडांकि २९
नीसातशेरभैसकरीतेरहमनेभपितानतेहिपवैठावादेवीचौतराकैश्रानजंमाईजंमाई

गोरषदुहाईदेवीचौतराकैश्रानईश्वरमहादेवकेदुहाईगौरापार्वतीकैदुहाईलोनाचमारिनिकै
दुहाईतेतीशकोटिदेवताकैदुहाईहनूमानकैदुहाईकाशीकोतवालभैरवकैदुहाईश्रपनेगुरुकै
दुहाईश्रपनेगुरुकीहिटफरीमोरदेवतालेउरवेतुसयपापलेपकाशीकाटिकाशीकरपापने
हिदेवतापरयठेययोमनक्षोभराषा मंत्रइसीभ्सरैकाटोनाफरैलिथापनाएकांतपरदाक
रईभैनोनपानीसेभ्सारैटोनादिफिरदोषनरहै पूरुवपश्चिमउत्तरदक्षिणचारिकोनासर्गप
ताल श्रागनडवारधेरमन्कारषाटविधामनगइसोग्रनारसाससालनश्रोजेरनारधीरासोधा
तेलफुसेलललवंगसुपारीपेमुसलमेत्र श्रवटनउवटनश्रौरनहानपहिरनसरुगासाहिजान
डोरीचोलीवादस्मीनमोटनरईवोटनभीनशंकरगौरीधेयणास्पहिलेमारोगावार कजर

३० सेंडएतिलकसिसार आमखिनाक औफानकणा उम्ओठकांथकाषवाहथैमोरनषअंगएरिओबुद्ध
टीथन नाभीऊपरपेटीनीचे योनिथएिराकनमेटीपीठिपेटओकरिलागजंघपोडुलिघूटीपा
सनरऊपरअंगएरिऐ यामफेजमोउरूलदधातुपेलिसमधासधाय अंतएपेतेरीकरेजपतहीय
जीवप्राणऔचितदाहअंगमनसमजागयईनारसिंहकीआनिकहनलागकांसयीतरीयं
ॐ५ गकांचेहारूपासोनासांच पाटटाटथसनवीसनरोगयोगकारणादिसनडीठिमूठिटोनाथाप
नरनाथयोएसीतिद्धिकासहायगइनियोगिनिउरश्लिभूत व्याधिपरीअवस्जेजूत उवनेगो
रखरचनासावप्रगटेरविलाईकालीओमैसंकेहांगकएमंत्रेश्वरोवाच अथजीयज्ञामेत्र ३०
गेत्रहृदेमंतञ अंजेपैलनपः समीरणाउतोपंकाउणः संपोभूतश्रीरामप्राणपेकधामपलवा

नसापजुतिनिधिएतेनोम्भिराणुः यसिपेनितंजपेपुस्करम्नेबोउजरमिलाणानधुगमेसोसपा
३१ स्नीपज्ञाः अन्यच कारीकओरीसातपिलाविआपसातयेधस्थिआईजियायुवाधीथनेलीकनम
लाइयेषकोमंत्रतीनोजायमंत्रपठिपठिद्हिनेहाथेआगनमीतरफूंकेमंत्ररोगीधिराडुवाई मं
त्रकेलखकमा सातवारकैरेरीलेआइवसातवेराणहाथ चठयसातौकेमारेपातकजायपहिसएे
रेरहैजोमहादेवकैदुहाई सातबेरसंकरूणकेराणसेमारेतौनीकहोईकीराजाय॥ ॥इतिश्रीसा
वरतंत्रेमंत्रसंग्रहेदुर्गामसिंहरचितेसोनाचिरेआमनमतिकंधूनरकलापां उपदेशकुराणचकादिषष्ठः
प्रकाशः॥ ॥६॥ ॥पाहृष्टंपुस्तकेदोसंतादृशोलिषितंमयायादिसिमममदोषनदीयते रजुन्नशुनेसा ३१
नयम॥१॥ संवत १९५६फाल्गुणमासेशुक्लपक्षेमसिःसापूर्णमाममूवासथशारदरसिंक्रोपशेक